Roll No. ..... Total Pages: 04

5172-A

M.A. (FINAL) EXAMINATION, 2019

SANSKRIT

Paper – II

SAHITYA SHASTRA

Time: Three Hours
Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड– अ

प्र.1 (1) काव्य के प्रयोजन (मम्मट के अनुसार) लिखिए।

(2) काव्य के भेदों के नाम लिखिए।

(3) गुणीभूतव्यङ्ग्य काव्य के भेदों के नाम लिखिए।

(4) चित्रकाव्य के दो प्रमुख भेदों के नाम लिखिए।

(5) काव्यदोषों का सामान्य लक्षण बतलाइये।

(6) मम्मट के अनुसार गुणों के भेद बताईये।

(7) "वक्रोक्तिजीवितम्" शब्दार्थ व अभिप्राय बतलाइये।

(8) आचार्य कुन्तक के अनुसार 'काव्य की आत्मा' किसे कहा गया है?

(9) कविराज विश्वनाथ की अलंकार शास्त्रीय रचना के नाम लिखिए।

(10) "रसगंगाधर" की रचना किसने की है?

खण्ड– ब

इकाई – I

प्र.2 सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

शक्तिर्निपुणता लोकशास्त्रकाव्याद्यवेक्षणात्।

काव्यज्ञशिक्षयाभ्यास इति हेतुस्तदुद्भवे।।

अथवा

शब्द प्रमाणवेद्योऽर्थो व्यनक्त्यर्थान्तरं यतः।

अर्थस्य व्यञ्जकत्वे तच्छब्दस्य सहकारिता।।

इकाई – II

प्र.3 सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

अगूढमपरस्याङ्गँ वाच्यसिद्धयङ्गमस्फुटम्।

सन्दिग्ध तुल्य प्राधान्ये काक्वाक्षिप्तमसुन्दरम्।।

अथवा

शब्दार्थचित्रं यत्पूर्वं काव्यद्वयमुदाहृतम्।

गुणप्राधान्यतस्तत्र स्थितिश्चित्रार्थ शब्दयोः।।

इकाई – III

प्र.4 सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

ये रसस्याङ्गिनो धर्माः शौर्यादय इवात्मनः।

उत्कर्ष हेतवस्ते स्युरचलस्थितयो गुणाः।।

अथवा

केषुचिदन्तर्भवन्त्येषु दोषात्यागात्परे श्रिताः।

अन्ये भजन्ति दोषत्वं कुत्रचिन्न ततो दश।।

इकाई – IV

प्र.5 सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

शब्दार्थो सहितौ वक्रकविव्यापारशालिनी।

बन्धे व्यवस्थितौ काव्यं तद्विदाह्लादकारिणि।।

अथवा

सम्प्रति तत्र ये मार्गाः कवि प्रस्थानहेतवः।

सुकामरो विचित्रश्च मध्यमश्चोभयात्मकः।।

इकाई –V

प्र.6 भरतमुनि के नाट्य शास्त्र का परिचय लिखिए।

अथवा

आचार्य भामह के अलंकारशास्त्रीय ग्रन्थ का सामान्य परिचय लिखिए।

खण्ड– स

प्र.7 लक्षणा का स्वरूप एवं मुख्य भेदों का वर्णन कीजिए।

प्र.8 ध्वनि काव्य के भेदों का निरूपण कीजिए।

प्र.9 आचार्य मम्मट के अनुसार गुणस्वरूप एवं भेदों का वर्णन कीजिए।

प्र.10 कुन्तक के अनुसार काव्य लक्षण स्पष्ट कीजिए।

प्र.11 'रीतिसम्प्रदाय' पर लेख लिखिए।